International Journal for Multidisciplinary Research (IJFMR)
E-ISSN: 2582-2160 ● Website: www.ijfmr.com ● Email: editor@ijfmr.com

छत्तीसगढ़ में प्रवासन की स्थिति (लवन विकासखण्ड के विशेष संदर्भ में)

Dr. जितेन्द्र कुमार[1], Mr. गुप्तेश्वर साहू[2]

[1]अतिथि व्याख्याता, अर्थशास्त्र, शासकिय महाविद्यालय कसड़ोल ,छत्तीसगढ़
[2]सहायक प्राध्यापक, कार्मस, गजानंद अग्रवाल शासकीय महाविद्यालय, भाटापारा, छत्तीसगढ़

प्रस्तावना.

मानव प्रवासन और गतिशीलता सदियों पुरानी परंपरा हैए जो दुनिया भर के लगभग हर वर्ग को प्रभावित कर रही है। हालांकि समय के साथ चीजें बदलती रही है। अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन संगठन ;संयुक्त राष्ट्र प्रवासन एजेंसीद्ध एक प्रवासी को किसी भी ऐसे व्यक्ति की रुप में परिभाषित करता हैए जो अपने निवास स्थान से दूर किसी अन्य राज्य या देश में स्थानांतरित हो रहा है या स्थानांतरित हो गया है ै। प्रवासन को निर्धारित करने वाले कारकों की एक विस्तृत श्रृंखला लोगों की आवाजाही को निर्धारित करती है। यह या तो स्वैच्छिक या मजबूरीवश हो सकता हैए जिसमें अत्यधिक गरीबीए आपदाओं के बढ़ते परिणामए आर्थिक चुनौतियां या संघर्ष जैसे कारक शामिल है। प्रवासन के श्पुशश कारक वह जो किसी व्यक्ति को मूल स्थान छोड़ने और किसी अन्य स्थान पर प्रवास करने की लिए मजबूर करते हैंए जैसे कि आर्थिक.सामाजिक कारण एवं श्पुलश कारक उन कारकों को इंगित करते हैं जो प्रवासियों को किसी क्षेत्र की और आकर्षित करते हैंए जैसे की उच्च स्तरीय सुविधाएए नौकरी के अवसर आदि। सिन्हा बीण्सीण् एवं सिन्हा पुष्पा 2005 के अनुसारए श्जनसंख्या में प्रवास को देखने से जो स्पष्ट प्रवाह दिखाई देता हैए वह ग्रामीण से शहरों की ओर प्रवास हैए शहर एक ऐसे विकसित क्षेत्र का संकेतक हैए जहां जीवन निर्वाह के लिए अपेक्षाकृत श्रेष्ठ अवसर उपलब्ध होते हैं।नारायण स्वाति 2001 ने अपने शोध में बेरोजगारी को प्रवास के लिए उत्तरदायी माना हैं। उनके अनुसार बेरोजगारी व क्षेत्रीय असंतुलन प्रवास को प्रेरित करती है।

शब्द कुंजी . प्रवासनए बचतए आयु.संरचनाए लिंग.संरचना

सारांश

भारत सबसे बड़ा प्रवासी देश है और कई देशों में अत्यधिक कुशल श्रम शक्ति की आपूर्ति करता रहा है। वर्ष 2018 तक भारत से प्रवासी लगभग 193 देशों में गए। भारत के अंतर्देशीय प्रवासन से प्रत्यावर्तीत धन ने भारत के सकल घरेलू उत्पाद में उल्लेखनीय योगदान दिया है। छत्तीसगढ़ से भी उत्तरप्रदेशए तेलंगानाए महाराष्ट्रए गुजरात जैसे विभिन्न राज्यों में प्रवासन होता है। जिन श्रमिकों तथा किसानों की आय इतनी नहीं है कि वे सम्मानित जीवन जी सकेए वे अन्य विकल्प अपना रहे हैं। वे कारखानोए निर्माण परियोजनाओंए तथा ईट निर्माण आदि में काम करने के लिए शहरो की ओर पलायन कर रहे हैं। प्रवास करने वाले सदस्यों में अधिकांश पुरुष होते हैं। अधिकांश प्रवासित परिवारों से 3 या 4 सदस्य प्रवासित हैं। वे अपने छोटे बच्चों को साथ लेकर जाते हैं तथा पढ़ने वाले बच्चों को घर में छोड़ जाते हैं।

अध्ययन का उद्देश्य.

1ण् प्रवासन के लिए राज्य की प्राथमिकता ज्ञात करना।

2ण् प्रवासन से प्राप्त आय में से बचत की स्थिति ज्ञात करना।

शून्य परिकल्पना. अधिकांश प्रवासित परिवारों द्वारा ₹40000 से अधिक बचत किया जाता है।

शोध प्रविधि.

1ण आंकड़ों का संकलन. प्रस्तावित अध्ययन प्राथमिक समंको पर आधारित है। प्राथमिक समंकों का संकलन प्रत्यक्ष साक्षात्कार अनुसूची के माध्यम से किया गया है।

2ण शोध प्रारचाना. प्रस्तुत अध्ययन छत्तीसगढ़ राज्य के बलौदा बाजार जिले के लवन तहसील के अंतर्गत विभिन्न गांवों से प्रवासित परिवारों का अध्ययन किया गया है। आंकड़ों के संग्रहण के लिए शासकीय महाविद्यालय लवन में बीण्एण् तृतीय वर्ष में अध्यनरत विद्यार्थियों में से सभी 63 विद्यार्थी परिवारों का चयन किया गया हैए जो प्रवासी हैं तथा जो लवन तहसील के आसपास विभिन्न गांव से हैं।

तालिका क्रमांक 1

मद	परिवार संख्या	प्रतिशत
परिवार के सदस्य प्रवसन करते है	63	50ण्4
परिवार के सदस्य प्रवसन नहीं करते है	62	49ण्6
बीण्एण् तृतीय वर्ष में कुल विद्यार्थी	125	100

स्त्रोत. प्राथमिक समंको पर आधारित।

3ण आंकड़ों का विश्लेषण. संकलित प्राथमिक समंको के विश्लेषण में प्रतिशत विधि का प्रयोग किया गया है।

अध्ययन का विश्लेषण.

1ण प्रवासित सदस्यों की लिंग संरचना.

तालिका क्रमांक 2

लिंग	सदस्य संख्या	प्रतिशत
महिला	95	39ण्9
पुरूष	143	60ण्1
कुल प्रवासित सदस्य	238	100

स्त्रोत. प्राथमिक समंको पर आधारित।

प्रस्तुत तालिका क्रमांक 2 में प्रवासित सदस्यों के लिंग संरचना का अध्ययन किया गया है। प्रस्तुत तालिका के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि प्रवास करने वाले सदस्यों में 60ण्1 प्रतिशत पुरुष सदस्य एवं 39ण्9 प्रतिशत सदस्य महिला होते हैं। अतः उक्त आंकड़े इस बात की ओर संकेत करते हैं कि बहुत से पुरुष वर्ग अपने घर.परिवार को छोड़कर रोजगार की तलाश में अन्य स्थानों की ओर पलायन करते हैं।

2ण निदर्श परिवारों से प्रवासित सदस्यों की संख्या.

तालिका क्रमांक 3

प्रवासित सदस्य संख्या	परिवारों की संख्या	प्रतिशत
01	03	4ण76
02	13	20ण63
03	15	23ण81
04	15	23ण81
05	11	17ण46
06 से अधिक	06	9ण52
कुल	63	100

स्त्रोत. प्राथमिक समंको पर आधारित।

प्रस्तुत तालिका क्रमांक 3 में निदर्श परिवारों से प्रवासित सदस्यों की संख्या का अध्ययन किया गया है। प्रस्तुत तालिका के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 4ण76 प्रतिशत परिवारों से 01 सदस्यए 20ण63 प्रतिशत परिवारों से 02 सदस्य एवं क्रमशः 23ण81 तथा 23ण81 प्रतिशत परिवारों से क्रमशः 03 एवं 04 सदस्य प्रवासित हुए हैं। इसी प्रकार 17ण46 प्रतिशत परिवारों से 05 सदस्य एवं 9ण52 प्रतिशत निदर्श परिवारों से 6 से अधिक सदस्य प्रवासन किए हैं। अतः उक्त विश्लेषण से ज्ञात होता है कि प्रवास करने वाले परिवारों में परिवार सहित प्रवयस करने वालों की संख्या बहुत कम हैए अधिकांश परिवारों से 02 या 03 सदस्य प्रवासन करते हैं।

3ण प्रवासात सदस्यों की आयु.संरचना.

तालिका क्रमांक 4

आयु.वर्ग	सदस्य संख्या	प्रतिशत
0.14	50	21
15.60	178	74ण80
60 से अधिक	10	4ण20
कुल	238	100

स्त्रोत. प्राथमिक समंको पर आधारित।

प्रस्तुत तालिका क्रमांक 4 में प्रवासित सदस्यों की आयु.संरचना का अध्ययन किया गया है। प्रस्तुत तालिका के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 0.14 वर्ष आयु वर्ग के 21 प्रतिशत सदस्य प्रवास करते हैं। इसी प्रकार कार्यशील आयु वर्ग अर्थात 15.60 वर्ष आयु वर्ग के 74ण80 प्रतिशत सदस्य एवं 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के 4ण20 प्रतिशत सदस्य प्रवास करते हैं।

4ण प्रवचन का प्रकार.

तालिका क्रमांक 5

प्रवासन के प्रकार	परिवार संख्या	प्रतिशत
अंतः राज्य प्रवासन	08	12ण70
अंतर्रा.राज्य प्रवासन	55	87ण30

अन्तर्राष्टीय प्रवासन	..	..
कुल प्रवासित परिवार	63	100

स्त्रोत. प्राथमिक समंको पर आधारित।

प्रस्तुत तालिका क्रमांक 5 में प्रवासन के प्रकारों का विश्लेषण किया गया है। प्रवासन को मुख्यतः तीन भागों में विभाजित कर सकते हैं। प्रथम अंतः राज्य प्रवासनए वह प्रवासन जो एक राज्य के अंतर्गत ही किया जाता है। द्वितीय अंतर्रा.राज्य प्रवासन वह प्रवचन जो एक राज्य से दूसरे राज्य में किया जाता हैए तथा तृतीय अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन हैए जो प्रवासन एक देश से दूसरे देश में होता है। तालिका क्रमांक 5 के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 87ण्30 प्रतिशत अंतर्रा.राज्य प्रवासन तथा केवल 12ण्70 प्रतिशत अंतः राज्य प्रवासन होता है। अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन निदर्श क्षेत्र से नहीं होता।

5ण्प्रवासित राज्य.

तालिका क्रमांक 6

प्रवासित राज्य	प्रवासित परिवार संख्या	प्रतिशत
उत्तर प्रदेश	18	32ण्73
तेलांगाना	14	25ण्45
महाराष्ट्र	13	23ण्64
गुजरात	06	10ण्91
राजस्थान	02	3ण्63
मध्यप्रदेश	01	1ण्82
पंजाब	01	1ण्82
कुल	55	100

स्त्रोत. प्राथमिक समंको पर आधारित।

प्रस्तुत तालिका क्रमांक 6 से प्रवासित राज्य का विश्लेषण किया गया है। सबसे अधिक 32ण्73 प्रतिशत लोगों का प्रवास उत्तर प्रदेश में होता हैए तथा 25ण्45 प्रतिशत परिवारों का प्रवासन तेलंगाना मेंए 23ण्64ः परिवारों का प्रवासन महाराष्ट्र मेंए 10ण्91ः परिवारों का प्रवासन गुजरात में तथा 3ण्63 प्रतिशत परिवारों का प्रवासन राजस्थान में होता है। इसी प्रकार 1ण्82 एवं 1ण्82 प्रतिशत परिवारों का प्रवासन क्रमशः मध्य प्रदेश एवं पंजाब में होता है।

6 ण्बचत की स्थिति.

तालिका क्रमांक 7

क्रमांक	बचत	परिवार संख्या	प्रतिशत
01	0.20000	11	17ण्46
02	20001.40000	26	41ण्27
03	40001.60000	19	30ण्16
04	60001.80000	07	11ण्11
05	कुल	63	100

06	40000 से कम बचत करने वाले परिवार ;1+2द्ध	37	58ण्73
07	40000 से अधिक बचत करने वाले परिवार ;3+4द्ध	26	41ण्27

स्त्रोत. प्राथमिक समंको पर आधारित।

तालिका क्रमांक 7 में निदर्श परिवारों द्वारा अर्जित आय में से बचत की स्थिति का अध्ययन किया गया है। प्रस्तुत तालिका के विश्लेषण से इस बात का पता लगाया गया है कि प्रवासित परिवारों द्वारा एक बार के प्रवास से कितना बचत करके घर लाते हैं। तालिका से हमें ज्ञात होता है की ₹20000 तक 17ण्46 प्रतिशत परिवारों का बचत होता हैए वही एक 40ण्27 प्रतिशत परिवारों द्वारा 20000.40000 रूपये तक बचत हो पता है। इसी प्रकार 30ण्15 प्रतिशत निदर्श परिवारों द्वारा 40000.60000 रूपये तक बचत किया जाता है। वही 11ण्11 प्रतिशत परिवारों द्वारा 60000.80000 रूपये तक बचत हो पता है।

शून्य परिकल्पना. अधिकांश प्रवासित परिवारों द्वारा 40000 रूपये से अधिक बचत कर लिया जाता है।

वैकल्पिक परिकल्पना. कुछ ही प्रवासित परिवारों द्वारा 40000 रुपए से अधिक राशि बचत हो पता है।

अतः यहां हमारा शून्य परिकल्पना अस्वीकृत होता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना स्वीकृत होता है। क्योंकि 40000 से अधिक बचत करने वाले कवल 40ण्027 प्रतिशत परिवार है तथा 58ण्73 प्रतिशत परिवार ऐसे हैं जो 40000 से कम बचत कर पाते हैं।

सारांश.

1ण् महिलाओं की अपेक्षा पुरुषों का प्रवासन अधिक होता है।

2ण् अधिकांश परिवारों से 3 से 4 सदस्य प्रवासन करते हैं।

3ण् अधिकांश प्रवासित सदस्य कार्यशील आयु.वर्ग के हैं।

4ण् अधिकांश परिवारों द्वारा अंतर्रा.राज्यीय प्रवासन किया जाता है।

5ण् अधिकांश परिवारों का प्रवासन क्रमशः उत्तर प्रदेशए तेलंगाना तथा महाराष्ट्र में होता है।

6ण् अधिकांश परिवारों का बचत स्तर निम्न है।

समस्या.

1ण् अकुशलता. प्रवासन करने वाले अधिकांश सदस्य अकुशल होते हैंए जो सामान्यतः ईट निर्माणए भवन निर्माण एवं अन्य सन्निर्माण कार्यों में मजदूरी करते हैं। अकुशलता तथा प्रशिक्षण के अभाव में उनको ऊंची मजदूरी नहीं मिल पाती जिससे उनकी आर्थिक स्थिति ज्यों का त्यों बनी रहती है।

2ण् अल्पकाल के लिए प्रवासन. प्रवासन करने वाले परिवार कुछ महीने काम करते हैं और कुछ महीने अपने निवास स्थान में वापस आ जाते हैं। सामान्यतः वर्षा काल में आकर अपने खेती बाड़ी को देखते हैं या कृषि मजदूरी में संलग्न हो जाते हैं। इस काल में पर्याप्त आय नहीं होताए जिसके कारण बचत किए गए धन का जीविकोपार्जन में व्यय कर देते हैंए जिससे उनकी आर्थिक स्थिति जस का तस बना रहता है।

3ण् शिक्षा का अभाव. प्रवासन करने वाले अधिकांश परिवारों द्वारा अपने छोटे बच्चों को साथ लेकर प्रवासन करते हैंए जिससे उनकी बुनियादी शिक्षा कमजोर हो जाता है। पढ़ने वाले बच्चों को अपने परिजनों के पास छोड जाते हैए जिससे अधिकांश बच्चें दिशाहिन हो जाते है और शिक्षण.प्रशिक्षण से भटक जाते है।

4ण् गरीबों का दुश्चक्र. गरीबीए अशिक्षा और कुपोषण किसी भी व्यक्ति और देश के विकास में बाधक है। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री रेगनर नर्कसे का कथन है की श्कोई व्यक्ति गरीब है क्योंकि वह गरीब है।श अर्थात गरीब व्यक्ति को ठीक से भोजन नहीं मिल पाता

अतः वह कुपोषित रहता है। आय कम रहती है जिससे बचत व निवेश कम होती है और उसकी उत्पादकता कम बनी रहती हैए परिणाम स्वरुप वह गरीब ही बना रहता है।

सुझाव.

1ण शिक्षक.प्रशिक्षण. ग्रामीण क्षेत्र के प्रवासन करने वाले सदस्यों के लिए शिक्षक.प्रशिक्षण की व्यवस्था किया जाना चाहिए ताकि ग्रामीण परिवारों के सदस्य यदि प्रवासन करते हैं तो उन्हें अच्छी कंपनी या अच्छे पद परए ऊंची मजदूरी दर परए रोजगार मिल सके। जिससे उनकी आयए बचत व निवेश में वृद्धि होगी और उनका जीवन स्तर ऊंचा उठ सकेगा।

2ण ग्रामीण कौशल पहल में निवेश. राज्य सरकार को चाहिए की ग्रामीण कौशल पहल में निवेश करके रोजगार क्षमता बढ़ानी चाहिएए ताकि प्रवासन करने वाले लोगों को आवास के पास ही रोजगार मिल सके या अपना स्वरोजगार स्थापित कर सके।

3ण प्रवासन केंद्रित नीतियां. समावेशी विकास सुनिश्चित करने एवं संकट प्रेरित प्रवास को कम करने के लिए राज्य को प्रवासन केंद्रित नीतियोंए रणनीतियों और संस्थागत तंत्रों को तैयार करने की आवश्यकता हैए जिससे गरीबी में कमी हो।

संदर्भ ग्रंथ सूची.

1. द्विवेदीए डॉक्टर रितेशए श्भारत में प्रवासनश्ए एमिटी यूनिवर्सिटी उत्तरप्रदेशए नोएडा।
2. अलए इमरानए श्प्रवासन के प्रकारए करण और परिणामश् जगन्नाथ विश्वविद्यालयए बांग्लादेशए जनवरी 2023।
3. पण्डेयए जयशंकर प्रसादए श्प्रवासी प्रवृत्ति का समाजशास्त्री अध्ययनश्
4. ूण्कतपेजपपेंण्बवउए मानव प्रवासनए करण और प्रभाव।
5. ूण्तमेमंतबी दमजण्बवउ
6. च्तवणि क्तण् डतण् ।त्र ैीमींतए ∽ श्रलवजप त्मककलए प्दकपं ष्ज्वनतपेउ ेमबजवत वद जीम त्पेम रू ळतवूजीए प्ददवअंजपवद ंदक थ्नजनतम च्तवेचमबजेए टवसनउम 7ए प्ेेनम 2ए डंतबी.।चतपस 2025ए
7. क्व्पीजजचेरूध्ध्कवपण्वतहध्10ण्36948ध्परउितण्2025ण्अ07प02ण्40125